संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-9 । अंक-41 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 10 मार्च 2026 से 16 मार्च 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

खरगोन के 'जांच पुराण' में उपयंत्री की 'राय' और सहायक आयुक्त की मदद!

खरगोन जनजातीय विभाग में भ्रष्टाचार का 'सुरक्षा कवच'

उपयंत्री राकेश राय

SPECIAL REPORT

नवीन गलकर

खरगोन। यदि आपको लगता है कि सरकारी विभाग केवल जनसेवा के लिए बने हैं, तो आपको खरगोन के जनजातीय कार्य विभाग का 'भ्रष्टाचार मॉडल' जरूर देखना चाहिए। यहाँ के उपयंत्री राकेश राय पर रिश्वतखोरी के आरोप क्या लगे, मानो पूरे विभाग ने उन्हें 'राजकीय संरक्षण' देने की कसम खा ली है। कलेक्टर कार्यालय में चल रही जांच की कछुआ चाल को देखकर तो यही लगता है कि जांच पूरी होने तक शायद भ्रष्टाचार शब्द का अर्थ ही बदल जाए! आमतौर पर रिश्वत के मामलों में त्वरित एक्शन लेना होता है, लेकिन राकेश राय का मामला किसी 'धार्मिक अनुष्ठान' की तरह धीरे-धीरे संपन्न हो रहा है। कलेक्टर कार्यालय की खिड़कियों से छनकर आती खबरें बताती हैं कि जांच की फाइलें इतनी गहरी नींद में हैं कि उन्हें जगाने के लिए शायद किसी दिव्य शक्ति की आवश्यकता होगी। आखिर जांच को इतना लंबा क्यों खींचा जा रहा है? जवाब सीधा है–जितना लंबा वक्त, उतने धुंधले सबूत।

गलियारों में चर्चा आम है कि उपयंत्री राकेश राय अकेले इस 'भ्रष्टाचार के पहाड़' को नहीं चढ़ रहे थे। सूत्रों की मानें तो मांगी गई रिश्वत की रकम में 'ऊपर से नीचे तक' यानि खरगोन से भोपाल तक सबका हिस्सा तय होने की प्रबल संभावना है। यदि राकेश राय पर आंच आई, तो इसकी लपटें सहायक आयुक्त इकबाल आदिल की कुर्सी तक पहुंचना तय है। यही 'भय' आज विभाग की सबसे बड़ी ताकत बन गया है। भ्रष्टाचार के इस सामूहिक भोज में हर कोई अपनी थाली बचाने की जुगत में लगा है। स्पष्ट दिखने वाले मामले को भी जांच के नाम पर लटकाया जाए, तो समझ लेना चाहिए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। यदि जांच निष्पक्ष हुई और सारे राज खुले, तो विभाग के कई सफेदपोश चेहरे बेनकाब हो जाएंगे। यही डर है जो जांच की फाइल को आगे बढ़ने से रोक रहा है। इस पूरे प्रकरण में लोक सूचना अधिकारी (सहायक आयुक्त इकबाल आदिल, जनजातीय कार्य विभाग) की भूमिका ने 'भ्रष्टाचार के गठजोड़' की संभावनाओं को और हवा दे दी है।

आर.टी.आय. के तहत मांगी गई महत्वपूर्ण और तथ्यात्मक जानकारियों को जिस तरह से दबाया जा रहा है या अधूरी जानकारी परोसकर आवेदक को गुमराह किया जा रहा है, वह सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है।

प्रशासनिक सुस्ती और अधिकारियों की मिलीभगत को देखते हुए शिकायतकर्ता ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। उनका साफ कहना है कि वे इस मामले को यहीं दबने नहीं देंगे। उनका स्पष्ट तर्क है कि जब जिला स्तर पर नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हों और जांच के नाम पर केवल समय काटा जा रहा हो, तो उच्च स्तरीय हस्तक्षेप ही न्याय का एकमात्र रास्ता बचता है। खरगोन की जनता के साथ हो रहे इस अन्याय के खिलाफ कानूनी लड़ाई की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

लोक सूचना अधिकारी सहायक आयुक्त इकबाल आदिल

जांच के नाम पर फाइलों में दफन हो रही उपयंत्री की रिश्वतखोरी!

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

संपादकीय

युद्ध से गैस की आपूर्ति पर असर

पश्चिम एशिया का संकट गहराने के कारण रसोई गैस, पीएनजी और उद्योगों तक ऊर्जा की पूरी वैश्विक श्रृंखला दबाव में आ गयी है. ईरान के ड्रोन हमले में कतर स्थित दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी निर्यात केंद्र को निशाना बनाये जाने के बाद वहां उत्पादन पूरी तरह बंद कर दिया गया है. जबकि भारत अपनी गैस आवश्यकताओं के एक बड़े हिस्से के लिए कतर के साथ दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंधों पर निर्भर है. भारत सालाना 2.7 करोड़ टन एलएनजी की आपूर्ति करता है, जिसका 40 फीसदी हिस्सा अकेले कतर से आता है. लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य के लगभग बंद होने से देश की सबसे बड़ी आयातक पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड कतर में अपने जहाज नहीं भेज पा रही. कतर सहित अधिकांश पश्चिमी एशियाई देश इसी समुद्री मार्ग से तेल और गैस का निर्यात करते हैं. भारत के लिए यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 50 प्रतिशत और एलएनजी का 54 प्रतिशत इसी रास्ते से होकर आता है. गैस आपूर्ति में कटौती से चिंतित एसोसिएशन ऑफ सीजीडी एंटिटिज (एसीई) ने सरकारी गैस कंपनी गेल को पत्र लिखकर घरेलू गैस और एलएनजी की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है. एसोसिएशन ने कहा है कि कम कीमत वाली गैस की आपूर्ति में 60 फीसदी की कमी आने और बाजार आधारित आपूर्ति के शून्य होने से सीएनजी और पीएनजी के वितरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा. एसोसिएशन का कहना है कि कतर की सस्ती गैस के स्थान पर दोगुनी कीमत वाली 'स्पॉट एलएनजी' खरीदने से सीएनजी का मूल्य लाभ समाप्त हो जायेगा, जिससे ग्राहक स्थायी रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुख कर सकते हैं. एसोसिएशन ने संकट की इस घड़ी में सरकार से स्पष्ट दिशानिर्देश और मार्गदर्शन मांगा है. फिलहाल गेल और आइओसी वैकल्पिक बाजारों से गैस खरीदने की कोशिश कर रही हैं, पर वहां कीमतें अनुबंध दर से लगभग दोगुनी तक पहुंच गयी हैं. देश के पास फिलहाल कच्चे तेल और ईंधन का छह से आठ सप्ताह का स्टॉक बताया जा रहा है, पर एलएनजी का स्टॉक इतना नहीं है, क्योंकि गैस का बड़े पैमाने पर स्टॉक करना मुश्किल होता है. हालांकि आश्वस्त करने वाली बात यह है कि सरकार दूसरे देशों से गैस आयात करने की कोशिश में लगी हुई है, और उम्मीद करनी चाहिए कि कतर से गैस की आपूर्ति फिलहाल प्रभावित होने का असर अपने यहां नहीं पड़ेगा. लेकिन गैस महंगी होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता.

युवा समाजसेवियों ने किया रक्तदान, ब्लड कैंसर पीड़ित की बचाई जान

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

महाकाल ग्रुप मालवामिल के युवा समाजसेवियों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए ब्लड कैंसर से पीड़ित एक व्यक्ति की मदद के लिए रक्तदान किया। जरूरतमंद मरीज के लिए रक्त की तत्काल आवश्यकता होने पर बजरंग दल के कार्यकर्ता राहुल चौहान के पास सूचना पहुंची।

राहुल चौहान ने इस संबंध में अपने मित्र एवं शहर के सेवा भावी समाजसेवी सुनील ठाकुर से संपर्क किया। सूचना मिलते ही सुनील ठाकुर अपने साथियों भाजपा नेता सागर देवांग, दीपू मेहरा, संजू मीणा एवं प्रदीप नायक,सौरभ सोनी, पंकज कैथवास के साथ देर रात एम.वाय. हॉस्पिटल पहुंचे। यहां उन्होंने मरीज की सहायता के लिए 2 यूनिट रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। बताया गया कि इसी कैंसर पीड़ित मरीज के लिए ब्लड एम्बेसडर जगप्रीत सिंह टुटेजा ने भी एक दिन पहले रक्तदान कर सहयोग किया था। युवा समाजसेवियों के इस सराहनीय कार्य की शहर में काफी प्रशंसा की जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि जरूरत के समय रक्तदान कर किसी की जान बचाना सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है।

इंदौर पुलिस के अनूठी पहल

संजीवनी बाल मित्र केंद्र छत्रीपुरा पर बाल होली का आयोजन

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत संचालित संजीवनी बालमित्र केंद्र छत्रीपुरा पर सहायक पुलिस आयुक्त सराफा श्री विजय तिवारी सर के मुख्य आतिथ्य में थाना प्रभारी छत्रीपुरा श्री संजीव श्रीवास्तव सर, सहायक उपनिरीक्षक, हितेश भास्कर प्रधान आरक्षक संजय राठौर के द्वारा बाल मित्र कल्याण सलाहकार समिति प्रमुख बहन ललिता जी, बहन दीप माला जी, बहन पलक तलरेजा जी, बहन कुसुम शर्मा जी श्री मनोज जी की उपस्थिति में बाल होली का आयोजन किया।

आदरणीय सहायक पुलिस आयुक्त सर्राफा इंदौर श्री विजय तिवारी सर के द्वारा बच्चों को सुखे गुलाल का तिलक लगाकर बाल होली मनाई गयी। सभी बच्चों को उपहार वितरित कर प्रश्नोत्तरी की जिससे बच्चे खिलखिला उठे। बाल कल्याण सलाहकार समिति के द्वारा बच्चों को सुख गुलाल से तिलक लगाकर बच्चों के साथ बाल होली का सेलिब्रेशन किया टिफिन वॉटर बेग एवं अन्य उपहार वितरित किए गए बच्चों को स्वल्पाहार भी कराया गया। बाल होली के मौके पर ढेर सारे गिफ्ट मिठाइयां चॉकलेट्स खिलौने इत्यादि। लेकर बच्चे खुशी से झूम उठे।

इंदौर इंटरनेशनल ट्रेड फेयर–2026 का शुभारंभ
देश-विदेश के उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

शहर में व्यापार और संस्कृति के संगम का प्रतीक इंदौर इंटरनेशनल ट्रेड फेयर–2026 का भव्य शुभारंभ हो गया। यह मेला 6 मार्च से 16 मार्च 2026 तक लाभगंगा एग्जीबिशन सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन गुप्ता इवेंट मैनेजमेंट प्रा. लि. द्वारा किया गया है, जो पिछले 15 वर्षों से सफल प्रदर्शनियों और कॉर्पोरेट इवेंट्स के लिए जाना जाता है। आयोजन की डायरेक्टर पायल आचार्य ने बताया कि इस वर्ष मेले में भारत के 22 राज्यों और 10 देशों की भागीदारी है, जहां 1 लाख से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है। मैनेजिंग डायरेक्टर सुजीत कुमार गुप्ता के अनुसार मेले में कश्मीर से दक्षिण भारत तक के फर्नीचर, सोफा सेट, डाइनिंग सेट, हैंडीक्राफ्ट और हैंडलूम उत्पाद उपलब्ध हैं। इसके साथ ही अफगानिस्तान के ड्राई फ्रूट्स, ईरान के खजूर, थाईलैंड की ज्वेलरी व फुटवियर, कोरियन लेडीज एक्सेसरीज़, दुबई के परिधान और सिंगापुर के विशेष वॉल फ्रेम्स भी आकर्षण का केंद्र हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के लेदर प्रोडक्ट्स, खादी व कुर्तियां, भागलपुर की साड़ियां, जयपुर-बांग्लादेश के वस्त्र और संबलपुर के कपड़े भी प्रदर्शनी में उपलब्ध हैं। ब्यूटी एक्सेसरीज़, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंटरनेशनल फूड स्टॉल्स भी आगंतुकों को खास आकर्षित कर रहे हैं। एडवाइजर वीर बहादुर सिंह ने कहा कि यह ट्रेड फेयर केवल खरीदारी का अवसर ही नहीं, बल्कि व्यापार, संस्कृति और वैश्विक उत्पादों का अनूठा अनुभव भी है। आने वाले दस दिनों तक इंदौरवासियों को उत्साह, रंगों और नई संभावनाओं से भरा माहौल देखने को मिलेगा।

महालक्ष्मी नगर में ब्रज सा नजारा: फूलों की होली और भजनों की धुन पर झूमा विप्र

सर्व ब्राह्मण युवा संगठन द्वारा भव्य फाग महोत्सव संपन्न; राधा-कृष्ण के स्वरूपों पर बरसाए पुष्प

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

शहर के महालक्ष्मी नगर क्षेत्र में 'फाग' के उल्लास और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। सर्व ब्राह्मण युवा संगठन की महालक्ष्मी नगर इकाई के महिला मंडल द्वारा आयोजित भव्य फाग महोत्सव में ब्रज की जीवंत संस्कृति उतर आई। फूलों की होली और पारंपरिक भजनों की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को कृष्णमय बना दिया।

फूलों की होली और सांस्कृतिक छटा

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बच्चों ने राधा-कृष्ण के भजनों पर मनोहारी नृत्य पेश किए। आयोजन का मुख्य आकर्षण फूलों की होली रही, जिसमें समाजजनों ने एक-दूसरे पर पुष्प वर्षा कर प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया। फाग गीतों की जुगलबंदी पर उपस्थित जनसमूह झूम उठा, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

परंपराओं का संरक्षण जरूरी: दीपा शर्मा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रीमती दीपा हेमंत शर्मा ने कहा कि फाग जैसे उत्सव हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं के वाहक हैं। उन्होंने जोर देकर कहा:

'ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल हम अपनी जड़ों से जुड़ते हैं, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, एकता और सौहार्द की भावना भी सुदृढ़ होती है।'

प्रमुख जनों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर क्षेत्र की पार्षद संगीता जोशी, भाजपा नेता एवं इकाई संरक्षक पंडित महेश जोशी, संगठन के केंद्रीय इकाई अध्यक्ष पंडित संदीप जोशी, और इकाई अध्यक्ष पंडित अमित त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

साथ ही, सचिव पंकज वैद्य, इकाई संरक्षक एवं मार्गदर्शक के.के. झा, हेमंत शर्मा, अनिरुद्ध तिवारी, प्रमोद शर्मा, और दुष्यंत शर्मा सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने फूलों की होली खेलकर एक-दूसरे को आगामी पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

समाजसेवी श्रीमती महक प्रवेश शर्मा 'अहिल्या गौरव अलंकरण सम्मान २०२६' से सम्मानित

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट एवं अनंत सेवा न्यास इंदौर द्वारा धार रोड स्थित कीमती गार्डन में 'महिला गौरव अलंकरण सम्मान समारोह 2026' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर म.प्र.जन अभियान परिषद द्वारा गठित प्रस्फुटन समिति वार्ड क्रमांक 84 इंदौर की सदस्य समाजसेवी एवं ईरा एक्जीबिट एवं एंटरप्राइजेज की फाउंडर श्रीमती महक प्रवेश शर्मा को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए 'अहिल्या गौरव अलंकरण सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीमा अलावा (एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस), पंडित योगेंद्र महंत (पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) तथा संस्था अध्यक्ष प्रकाश मानावत उपस्थित रहे। अतिथियों ने

श्रीमती महक प्रवेश शर्मा को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

श्रीमती महक प्रवेश शर्मा द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। उनके द्वारा विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों एवं सामाजिक संस्थाओं में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए निशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। साथ ही सिंगल मदर्स को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु रोजगार मेलों में निशुल्क स्टॉल उपलब्ध करवाना, निशुल्क ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता कार्यक्रम तथा अन्य कई सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में जागरूकता एवं सशक्तिकरण का कार्य किया जा रहा है। इस उपलब्धि पर उनके सेवा कार्यों में समर्पित सहयोगी परिवारजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

मर्डर के चश्मदीद गवाहों को कोर्ट ने विश्वसनीय नहीं माना,5 आरोपी हुए बरी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

बाउंड्रीवॉल पर पेंटर से नाम लिखाने के विवाद में ठेकेदार की गुप्ती व पत्थरों से हमला कर हत्या करने वाले 5 आरोपियों को जिला कोर्ट ने पुलिस के गवाहों को विचारण के बाद विश्वसनीय नहीं माना, साथ ही वैज्ञानिक साक्ष्य को भी संदेह से परे नहीं माना। परिणामस्वरूप कोर्ट ने हत्या के सभी पांचों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। प्रकरण के अनुसार फरियादी शाकिर पटेल ने खजराना थाने में रिपोर्ट की थी कि उसका बड़ा भाई इरफान पटेल बाउंड्रीवॉल बनाने का ठेका लेता है, चार दिन पहले इरफान ने पुष्पविहार कालोनी, खजराना के एक पाट पर बाउंड्रीवॉल बनाने का ठेका लिया था। 24 मार्च 2021 को वह अपने भाई इरफान पटेल, आरिफ व रईस के साथ प्लाट पर बाउंड्रीवॉल बनाने का काम कर रहा था तभी दोपहर में वहां गणेश पाटिल आया, वह भी बाउंड्रीवॉल बनाने का काम करता है। वह अपने साथ पेंटर को लाया था। गणेश ने पेंटर को बोलकर उनकी साइट पर पाटिल कंट्रक्शन लिखवा दिया था, इस पर इरफान पटेल ने गणेश पाटिल को बोला कि उसने उसकी साइट पर क्यों लिखवा दिया, इसे मिटा दे। इसी बात को लेकर गणेश व इरफान के बीच कहा-सुनी हो गई और फिर गणेश गालियां देकर बोला रुक तुझे बताता हूं और वह चला गया किंतु आधे घंटे बाद गणेश पाटिल अपने साथी के साथ आया और इरफान से बोला आज तुझे जान से मार दूंगा और उसने गुप्ती से इरफान पटेल के सीने, पसली और पीठ पर वार किए जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा। जब फरियादी व अन्य उसे बचाने आए तो आरोपी गणेश और उसके तीन अन्य साथी आ गए और पत्थर से मारने लगे। वे लोग इरफान को लेकर बाम्बे हस्पिटल गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इरफान की हत्या के आरोप में गणेश पाटिल, अमन नागर, अंकुश सेंगर, करण राठौर व राजेश राठौर को हत्या का आरोपी बनाया और चालान कोर्ट में पेश किया जिसमें 14 गवाहों के कथन विचारण के दौरान न्यायालय में कराए। मुख्य आरोपी गणेश पाटिल की ओर से कोर्ट में अधिवक्ता योगेश कुमार गुप्ता ने पैरवी की व पुलिस की ओर से पेश साक्ष्यों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। नवम अपर सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार चंदेल ने विचारण उपरांत पाया कि संयुक्त निदेशक क्षेत्रिय न्यायालयीन विज्ञान प्रयोगशाला राऊ, इंदौर में पुलिस द्वारा जब्त गुप्ती को दो माह 20 दिन बाद रासायनिक परीक्षण के लिए भेजा गया किंतु पुलिस यह नहीं बता पाई कि इस अवधि में उसने गुप्ती को कहां और किसकी अभिरक्षा में रखा था चूंकि गुप्ती पर मानव रक्त लगा था, ऐसे में पुलिस का दायित्व था कि वह जब्त गुप्ती को ऐसी अभिरक्षा में रखती जहां छेड़छाड़ होना संभव नहीं थी जिसके चलते कोर्ट द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्य पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। कोर्ट ने बताया कि संदेह कितना भी गंभीर हो, सबूत का स्थान नहीं ले सकता। कोर्ट ने गवाहों को विश्वसनीय नहीं माना जिसके कारण कोर्ट ने पांचो आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया।

संस्था न्यायाश्रय की इंदौर कार्यकारिणी घोषित

एडवोकेट राहुल सिंह यादव अध्यक्ष एवं एडवोकेट अदनान मुल्तानी सचिव मनोनीत

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

संस्था न्यायाश्रय के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पंकज वाधवानी एडवोकेट की सहमति ने में इंदौर नगर की कार्यकारिणी की घोषणा की है, एडवोकेट राहुल सिंह यादव अध्यक्ष एवं एडवोकेट अदनान मुल्तानी सचिव मनोनीत किया गया, जिनकी नियुक्ति पर इंदौर के वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं जूनियर अधिवक्ताओं ने सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

'संभाग पोस्ट' के स्वामित्व एवं अन्य विवरण के संबंध में

घोषणा पत्र

फार्म-4 (नियम 8 देखिए)

1. प्रकाशक का स्थान	: इंदौर
2. प्रकाशन अवधि	: साप्ताहिक
3. मुद्रक का नाम	: नवीन गलकर
(क्या आप भारत के नागरिक हैं)	: हां
(यदि विदेशी हैं तो मूल देश)	: -
पता	: ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.)
4. प्रकाशक का नाम	: नवीन गलकर
(क्या आप भारत के नागरिक हैं)	: हां
(क्या आप भारत के नागरिक हैं)	: हां
(यदि विदेशी हैं तो मूल देश)	: -
पता	: ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.)
5. प्रधान संपादक का नाम	: नवीन गलकर
(क्या आप भारत के नागरिक हैं)	: हां
(यदि विदेशी हैं तो मूल देश)	: -
पता	: ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.)
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझीदार हों :	: नवीन गलकर

मैं नवीन गलकर एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 10 मार्च 2026

हस्ताक्षर

नवीन गलकर

(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

आशा कार्यकर्ताओं का फूटा दर्दः दिसंबर से मानदेय लंबित, आर्थिक तंगी के बीच सेवा देने को मजबूर

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ कही जाने वाली आशा और आशा पर्यवेक्षकों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा; मुख्यमंत्री से गुहार।

■ **खरगोन । संभाग पोस्ट**
खरगोन। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर पहुँचाने वाली आशा कार्यकर्ता और आशा पर्यवेक्षक इन दिनों खुद 'बीमार' सिस्टम का शिकार हो रही हैं। लंबे समय से मानदेय के भुगतान में हो रही देरी और अनियमितता ने इन स्वास्थ्य योद्धाओं को आर्थिक और मानसिक रूप से तोड़कर रख दिया है।

वादे फेलः 5 तारीख की जगह 15 तक भी खाली हाथ

जिला अध्यक्ष रेखा रणछोड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा यह घोषणा की गई थी कि आशा और आशा पर्यवेक्षकों का भुगतान हर महीने की 5 तारीख तक सुनिश्चित किया जाएगा। लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। आलम यह है कि महीने की 15 तारीख बीत जाने के बाद भी बैंक खातों में राशि नहीं पहुँच रही है। त्योहारों के सीजन के बाद भी भुगतान न होने से कार्यकर्ताओं में गहरा रोष व्याप्त है।

दिसंबर 2025 से अटका है भुगतान

संगठन के अनुसार, दिसंबर 2025 से अब तक का नियमित भुगतान लंबित है। जो थोड़ी-बहुत राशि जारी भी की गई है, वह आंशिक (Partial) है। पिछले कई महीनों से पूरा मानदेय न मिलने के कारण इन कार्यकर्ताओं को अपने परिवार का भरण-पोषण करने और रोजमर्रा के खर्च चलाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

'हम गर्भवती महिलाओं की देखभाल से लेकर टीकाकरण तक का काम पूरी निष्ठा से करते हैं, लेकिन जब हमारे हक के पैसे की बात आती है, तो सिर्फ आश्वासन मिलता है।'

— एक व्यथित आशा कार्यकर्ता

प्रमुख माँगेंः

दिसंबर 2025 से लंबित संपूर्ण मानदेय का तत्काल भुगतान किया जाए।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप हर माह की 5 तारीख तक भुगतान सुनिश्चित हो।

भुगतान प्रक्रिया में आ रही तकनीकी और प्रशासनिक अनियमितताओं को दूर किया जाए।

आशा कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो उन्हें अपने कार्य को जारी रखने में असमर्थता होगी। अब सबकी नजरें प्रशासन और सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं।

खरगोनः ट्रेंचिंग ग्राउंड की आग ने शहर का दम घोटा, आक्रोशित नागरिकों का चक्काजाम

डाबरिया रोड स्थित कचरा प्लांट में देर रात भड़की आग; गोपालपुरा समेत कई बस्तियों में छाया धुएं का गुबार, नपा के खिलाफ नारेबाजी।

■ **खरगोन । संभाग पोस्ट**
मुख्य संवाददाता शहर के डाबरिया रोड स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड (कचरा प्लांट) में रविवार देर रात लगी भीषण आग ने गोपालपुरा और आसपास की बस्तियों के रहवासियों का जीना मुहाल कर दिया। आग से उठने वाले जहरीले और घने धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में भारी तकलीफ का सामना करना पड़ा। जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी से नाराज नागरिकों ने सोमवार को गोपालपुरा रोड पर चक्काजाम कर नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

आधी रात को मची अफरा-तफरी

जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात करीब 1:30 बजे ट्रेंचिंग ग्राउंड के कचरे के ढेर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और धुएं का गुबार गोपालपुरा सहित अन्य निचली बस्तियों में फैल गया। रात के अंधेरे में धुएं के कारण विजिबिलिटी कम हो गई और घरों में सो रहे लोगों को घुटन महसूस होने लगी, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

'फोन तक नहीं उठाते जिम्मेदार': नागरिकों का आरोप

प्रदर्शनकारी मनोज और मुकाती ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि रात डेढ़ बजे से आग धधक रही है, लेकिन कोई भी सुध लेने वाला नहीं था। उन्होंने बताया:

'हमने रात में कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को फोन लगाए, लेकिन किसी ने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। जब सुबह तक धुआं कम नहीं हुआ और स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ने लगा, तब हमें मजबूरन सड़क पर उतरना पड़ा।'

पुलिस की समझाइश पर खुला जाम

चक्काजाम और नारेबाजी की सूचना मिलते ही एसडीओपी रोहित अलावे और मेंगांव चौकी प्रभारी सुदर्शन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित नागरिकों को शांत कराया और नगर पालिका के माध्यम से आग पर काबू पाने तथा धुएं की समस्या का जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया। करीब एक घंटे की मशक्कत और समझाइश के बाद नागरिकों ने चक्काजाम समाप्त किया।

बस्तियों में स्वास्थ्य का खतरा

ट्रेंचिंग ग्राउंड में प्लास्टिक और अन्य कचरे के जलने से निकलने वाला धुआं बेहद घातक बताया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आए दिन इस प्लांट में आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को सांस संबंधी बीमारियां होने का खतरा बढ़ गया है।

मप्र जनअभियान परिषद की बैठक संपन्न

■ **बड़वाह। संभाग पोस्ट**
मप्र जन अभियान परिषद की सेक्टर बैठक शासकीय महाविद्यालय भवन मे शनिवार दोपहर 12 बजे से संपन्न हुई। ब्लाक समन्वयक धर्मेंद्र गुप्ता ने जन अभियान परिषद की सभी प्रश्नफुटन व नवंकूर संस्था के अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष सहित पूरी टीम को समिति के सुचना,गतिविधि,व शासन की योजनाओं के प्रचार प्रसार की जानकारियों को रजिस्टर अंकित कर उनका लेखा जोखा जो जरूरी हो इन सभी को व्यवस्थित रखने को विस्तार से समझाया।इस अवसर पर नगर विकास प्रश्नफुटन समिति अध्यक्ष एन.एस. सोलंकी,उपाध्यक्ष विजय वर्मा,देवेंद्र कर्मा,नवांकुर संस्था के अध्यक्ष महिपाल सिंह मेवाड़े,प्रश्नफुटन समिति अध्यक्ष देशा मेराणा सचिव रितेश दुबे,अजय प्रताप सिंह डॉ.अशोक सोनी,सियाराम बिरला,विजय चौहान सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

महू में दिनदहाड़े बड़ी वारदातः 15 लाख के माल से भरा ट्रक ले उड़ा शातिर चोर

पुलिस ने गठित की विशेष टीमें, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 'लंगड़ा तैमूर' की तलाश तेज़

इंदौर महू तहसील । रवि धीमान, संभाग पोस्ट

महू (इंदौर)। नगर के महू थाना क्षेत्र में चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। सोमवार सुबह भाया जी मार्ग स्थित एक नामी ट्रांसपोर्ट कंपनी के परिसर से अज्ञात बदमाश ने कीमती माल से लदी एक आयशर गाड़ी पार कर दी। चोरी गए माल की कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिए दो विशेष टीमें रवाना की हैं।

दिनदहाड़े दिया वारदात को अंजाम

मिली जानकारी के अनुसार, वारदात भाया जी मार्ग स्थित बंगला नंबर 67 पर संचालित 'सर्वेश ट्रांसपोर्ट' पर हुई। यहाँ आयशर मोटर गाड़ी (क्रमांक MP 13 GB 3937) माल भरकर खड़ी की गई थी। सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच, जब क्षेत्र में चहल-पहल शुरू हो चुकी थी, मौका पाकर चोर गाड़ी लेकर रफूचक्कर हो गया। ट्रक में कीमती सामान भरा होने के कारण ट्रांसपोर्ट संचालक को भारी नुकसान हुआ है।

सीसीटीवी में सुराग तलाश रही पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही महू पुलिस सक्रिय हुई और मौके का मुआयना किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो टीमें गठित की हैं। एक टीम महू और पीतमपुर के मुख्य मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ट्रक किस दिशा में ले जाया गया है। वहीं दूसरी टीम मुखबिर तंत्र के जरिए संदिग्धों पर नजर रख रही है।

पुराने अपराधी पर गहराया शक

स्थानीय लोगों और ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस चोरी में 'अमन उर्फ लंगड़ा तैमूर' नामक व्यक्ति का हाथ होने की प्रबल आशंका जताई जा रही है। बताया

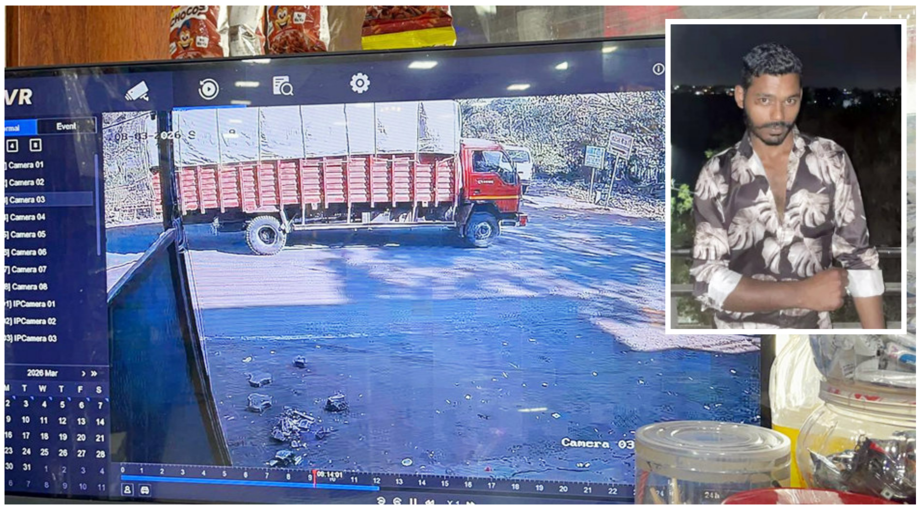

जा रहा है कि उक्त संदिग्ध पहले भी चोरी के कई संगीन मामलों में जेल की हवा खा चुका है। पुलिस का मानना है कि आदतन अपराधी होने के कारण उसने रेकी कर इस वारदात को अंजाम दिया है। महू थाना पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर माल बरामद कर लिया जाएगा।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

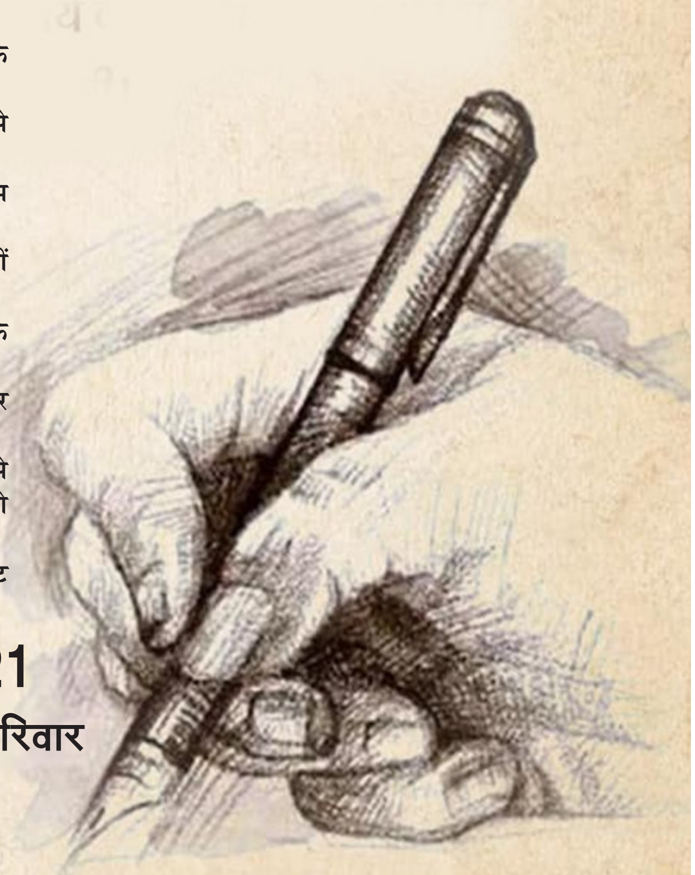

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

पीथमपुर में रंग पंचमी का उल्लास, पालकी में सजे पीथमपुर नरेश का हुआ नगर भ्रमण

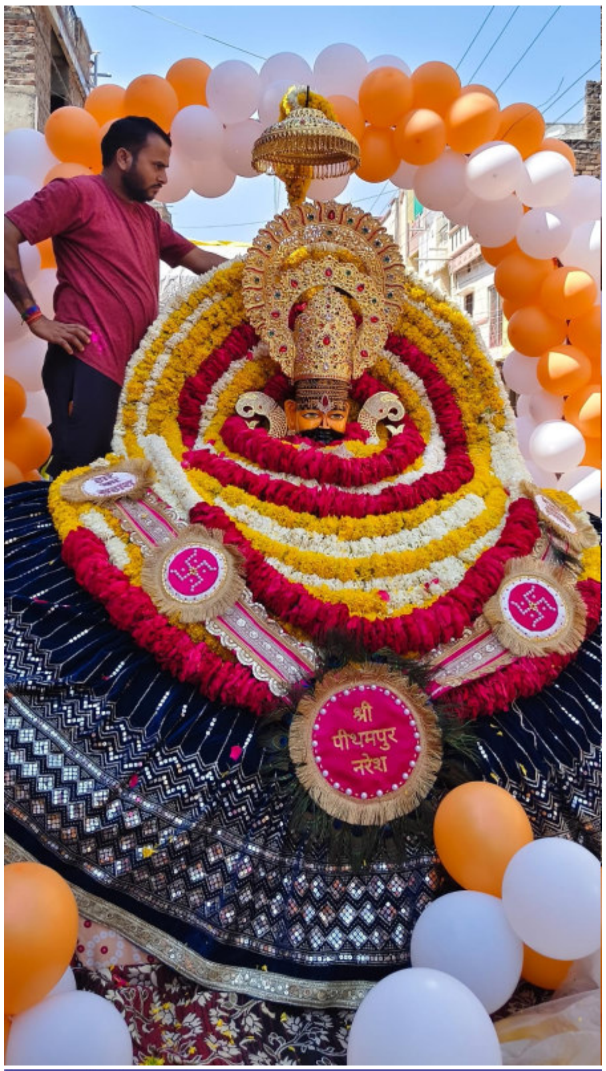

■ पीथमपुर । संभाग पोस्ट

पीथमपुर। औद्योगिक नगरी पीथमपुर के सेक्टर-1 में रंग पंचमी का पर्व पूरे दिन उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर में विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा पारंपरिक गेर और रैलियां निकाली गईं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और युवा शामिल हुए। हिंदू जागरण मंच एवं सकल हिंदू समाज के नेतृत्व में भी भव्य गैर निकाली गई। वहीं पीथमपुर के खाटू श्याम की यादें मित्र मंडल द्वारा फाग महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें पीथमपुर नरेश को सुसज्जित पालकी में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। यह यात्रा छत्रछाया, जयनगर, आईसर चौराहा होते हुए खाटू श्याम मंदिर तक पहुंची। यात्रा के दौरान युवाओं ने डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया, वहीं पूरे मार्ग में गुलाल और पुष्पों की वर्षा से माहौल भक्तिमय और रंगमय बना रहा। विभिन्न स्थानों पर मंच लगाकर रैलियों का स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति और युवाओं की सहभागिता देखने को मिली। रंग पंचमी के अवसर पर पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था के साथ मुस्तैद रहा। प्रशासन की सतर्कता के चलते पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ तथा कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। कार्यक्रम के समापन पर खाटू श्याम मंदिर में बाबा खाटू श्याम की आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। आयोजकों ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों, श्रद्धालुओं और प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

शीतला सप्तमी पर उमड़ेगी आस्था की भीड़, मंदिरों में विशेष सजावट, बनेगा ठंडा प्रसाद

■ इंदौर महू तहसील । रवि धीमान, संभाग पोस्ट

महू,नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शीतला सप्तमी का पर्व श्रद्धा और परंपरा के साथ मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस वर्ष शीतला सप्तमी का पूजन 10 मार्च 2026 को किया जाएगा, जबकि परंपरा के अनुसार एक दिन पूर्व घरों में प्रसाद एवं भोजन तैयार किया जाएगा।

इस पर्व पर माता को राबड़ी सहित विभिन्न प्रकार के ठंडे व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन माता को ठंडा भोजन अर्पित करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है तथा रोगों से रक्षा होती है। इसी कारण श्रद्धालु एक दिन पहले ही भोजन बनाकर रख लेते हैं और अगले दिन उसी ठंडे भोजन का प्रसाद चढ़ाते हैं।

शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शीतला माता मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है तथा पूजा-अर्चना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर समितियों द्वारा साफ-सफाई, रोशनी और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

जानकारी के अनुसार शीतला सप्तमी के दिन सुबह करीब 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का मंदिरों में पहुंचना शुरू हो जाता है। महिलाएं, पुरुष और बच्चे बड़ी संख्या में माता के दर्शन कर परिवार की सुख-शांति की कामना करते हैं।

वहीं नारनौली अग्रवाल पंचायत में शीतला माता का पूजन 9 मार्च 2026 को किया जा रहा है पूजा जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं पूजा अर्चना कर रहे हैं

धार्मिक मान्यता के अनुसार शीतला माता को स्वच्छता, ठंडे प्रसाद और श्रद्धा के साथ पूजा करने से महामारी और बीमारियों से रक्षा मिलती है। इसी कारण यह पर्व ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में विशेष आस्था के साथ मनाया जाता है।

APPLIED FORENSIC SCIENCE LABORATORY

Email: afslindore23@gmail.com Mobile No: +91 9366381689 +91 9977649317

SERVICES

- Handwriting Examination.
- Signature Examination.
- Fingerprint Examination.
- Deleted Data Recovery from Mobile Phones, Hard Drive.
- Laptop, Desktop Computer, Pen drive.
- Complete Examination of Digital Instrument i.e. Mobile.
- phones, Laptop, Desktop Computers, in case of Hacking.
- Voice Analysis and Voice Comparison.
- Examination of Alteration in any Documents.
- Examination of Erased Writing.
- Examination of Audio Clips and Video Clips.
- Preparation of Fingerprint Records for Corporate Offices.
- Examination of Arson Cases.
- DNA Examination for Paternity and Maternity.
- Forensic Consultancy.
- Forensic Investigation of Insurance Claims.
- Property Investigation.
- Crime Scene Investigation.
- Audio Transcription.

FORENSIC EXPERT

Rakesh Mia
+91 93663 81689

Vijay Panchal
+91 9977649317

Head Office
Applied Forensic Science Laboratory
8/1, 2nd foor, Moti Tabela, Near
Collectorate Office, Indore, MP, 452007

Branch Office
Chandra Forensic Science
lab
Chandigarh/New Delhi

दोहरी खुशी का गवाह बना इंदौर का राजवाड़ा

सुबह रंगों की बौछार तो शाम को भारत की जीत बनी त्योहार

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में यह पहला मौका था, जब राजवाड़ा दिन में और रात में जश्न से गुलजार रहा। सुबह वहां रंगपंचमी मनी और शाम को भारत के विश्व विजेता बनने की खुशी। जो लोग सुबह रंग खेलकर थके-मांदे दिन में घर लौटे थे, टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में टीम इंडिया की शानदार जीत के बाद वे फिर नई ऊर्जा के साथ रात को राजवाड़ा लौटे।

मैच एकतरफा था। इस कारण मैच खत्म होने से पहले ही राजवाड़ा पर भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। जैसे ही न्यूजीलैंड टीम के आखिरी बल्लेबाज़ का विकेट गिरा और जीत भारत के नाम हुई, वैसे ही शहर कुछ देर के लिए आतिशबाजी और पटाखों की गूंज से गूंज उठा। क्रिकेट प्रेमी टीवी स्क्रीन छोड़कर अपनी गाड़ियों से राजवाड़ा की ओर निकल पड़े। राजवाड़ा पर क्रिकेट दीवानों की भीड़ इकट्ठा हो गई। रंग-गुलाल, पटाखों के बीच ढोलकों की थाप पर क्रिकेट प्रेमी तिरंगे के साथ नाचे। भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरा राजवाड़ा गूंज रहा था।

गलियों में भी भीड़

राजवाड़ा से जुड़ी गलियों में भीड़ ही भीड़ थी। भीड़ ज्यादा बढ़ी तो लोग अपनी गाड़ियां इधर-उधर रखकर राजवाड़ा पहुंचे। कोई अपनी कार की छत पर बैठकर नारे लगा रहा था तो कोई दोस्तों के कंधे पर बैठकर नाच रहा था। बड़ा ही अद्भुत नजारा था राजवाड़ा का।

बना रहा जीत का उत्साह

करीब एक घंटे तक राजवाड़ा भारतीय जीत के उल्लास का केंद्र बना रहा। भीड़ में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां शामिल हुए। कई परिवार अपने बच्चों के साथ तिरंगा हाथ में लिए जश्न मनाने पहुंचे। लोग नाचते-गाते अपनी खुशियां प्रकट कर रहे थे। कुछ देर बाद चौक पर मौजूद भीड़ को पुलिसकर्मियों ने शांतिपूर्वक अपने-अपने घरों की ओर लौटने के लिए कहा।

गली-मोहल्लों में भी मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शहर के कई प्रमुख चौराहों और कॉलोनियों में एलईडी स्क्रीन लगाई गई थीं, जिस पर फाइनल मैच का लुत्फ लोगों ने उठाया। राजवाड़ा पर भी एक बड़ी स्क्रीन लगाई गई थी, जहां बड़ी संख्या में लोग मैच का सीधा प्रसारण देख रहे थे। पूरे शहर में देर रात तक जीत का जश्न जारी रहा और इंदौर एक बार फिर देशभक्ति और क्रिकेट प्रेम के रंग में सराबोर रहा।

रंगपंचमी पर राजवाड़ा में पुलिस की सख्ती, 22 उपद्रवी गिरफ्तार, डेढ़ सौ से ज्यादा कड़े उतरवाए

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

शहर में रंगपंचमी के मौके पर राजवाड़ा क्षेत्र में पुलिस ने इस बार कड़ी व्यवस्था रखी। गेर के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था और उपद्रव की स्थिति न बने इसके लिए सुबह से ही पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। गेर में हुड़दंग करने वाले और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने मौके पर कार्रवाई की। दिनभर चली कार्रवाई में पुलिस ने 22 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है । सभी को एसीपी कोर्ट में पेश किया गया।

लगातार निगरानी करती रही पुलिस

गेर के दौरान राजवाड़ा और आसपास के इलाकों में पुलिस की टीम लगातार निगरानी करती रही। एडिशनल पुलिस कमिश्नर (कानून व्यवस्था) अमित सिंह खुद राजवाड़ा चौक पर मौजूद रहे जबकि कमिश्नर संतोष कुमार सिंह कंट्रोल रूम से पूरे आयोजन पर नजर बनाए हुए थे। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत स्कूल बसों को अस्थायी जेल के रूप में इस्तेमाल किया। गेर के दौरान जो भी व्यक्ति रामरज, जूते-चप्पल या अन्य सामान फेंककर अव्यवस्था फैलाते हुए मिला उसे तुरंत पकड़कर बसों में बैठाया गया।

दिनभर में पकड़े 80 लोग, 22 पर एक्शन

पुलिस की अलग-अलग टीमों ने दिनभर में करीब 80 लोगों को पकड़ा और उन्हें एमजी रोड व सराफा थाना ले जाया गया। बाद में जांच के बाद 22 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इसके अलावा पुलिस ने करीब डेढ़ सौ युवकों के हाथों में पहने कड़े भी उतरवाए और उनकी तलाशी ली।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर रहे सचेत

इस बार गेर में महिलाओं की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई। महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष दस्ता तैयार किया गया था। इस दस्ते की जिम्मेदारी एडिशनल डीसीपी जोन-1 मीना चौहान को सौंपी गई थी। राजवाड़ा क्षेत्र के चारों तरफ करीब 50 महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। गेर के दौरान महिलाओं पर जबरन रंग फेंकने या पुंगी बजाकर परेशान करने वाले लोगों पर भी पुलिस नजर रखे हुए थी और ऐसे लोगों को पकड़कर कार्रवाई की गई।

दुकानदार के खिलाफ भी कार्रवाई

वहीं गेर के दौरान कश्मीरा कोल्ड ड्रिंक हाउस के मालिक रवि के खिलाफ भी पुलिस ने कार्रवाई की। आरोप है कि वह अपनी दुकान की छत से रंग से भरे गुब्बारे और थैलियों में पानी भरकर नीचे गेर में मौजूद लोगों पर फेंक रहा था। इससे लोगों को चोट लगने और हादसे की आशंका बन रही थी। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए रवि के खिलाफ धारा 125 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक 80 लोगों को हिरासत में लिया गया था जिसमें से 22 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिकः 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

चेतन टेलर्स
(सूट स्पेशलिस्ट)
सुनिल खटके
मो. 9893118079
30/1.परदेशीपुरा, शिवधाम के सामने, इंदौर

RAVI S. SAHU
Managing Director
+91-98260-77714
स्वाद का जादू-जागे घर घर...
रवि®
मसाले बस चुटकी भर...
मसाले एवं पापड़
RAVI HOME INDUSTRIES
12, Nirmal Nagar, Piplyahana, Indore - 452 001, Ph. : 0731-2490449
Web : www.ravihomeind.com | E-mail : ravisahurhi@gmail.com

॥ श्री गणेश ॥ ॥ जय माँ भगवती ॥
सेवक राम केवट (छोटू उस्ताद)
मो. 9826012658, 9131711406
माँ नर्मदा केटरर्स
107, नार्थ मुसाखेड़ी, अजयबाग कॉलोनी, इन्दौर
शादी, पार्टी, पिकनिक, जन्मदिन पर कच्ची एवं पक्की रसोई की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सम्पर्क करें।

अनुप यादव 9617246247
अमन यादव 7773007307 8770131488
सावित्री हार्डवेयर
सेनेटरी एण्ड पेन्ट्स
ASTRAL PIPES
92 हीरा नगर MR-10 मेन रोड, इन्दौर (म.प्र.)

त्रिगुण दास बौरासी
कुलदीप बौरासी
मो. 9405852932
लक्ष्मी आप्टीशियन
सभी प्रकार के नजर व धूप के चश्मे बनाए जाते हैं
फोन : 0731-2545493
352/2, पाटनीपुरा (भेरु मंदिर के पीछे) प्रिंस टेलर के बीच वाली गली में, इंदौर

वाह रे सिस्टम!

जांच भी मेरी, फैसला भी मेरा!

'फॉरवर्ड कल्चर' भ्रष्टाचार को पालने का नया 'सॉफ्टवेयर'

SPECIAL REPORT

नवीन गलकर

इंदौर संभाग में आर.टी.आई. और शिकायतों का अजीबोगरीब हश्र, जवाबदेही से भाग रहे जिम्मेदार, संभाग के इन दो कार्यालयों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वालों का मनोबल तोड़ने का नया तरीका ईजाद किया है - 'शिकायत को फॉरवर्ड करो और भूल जाओ।'

संभाग आयुक्त सुदामा खाड़े

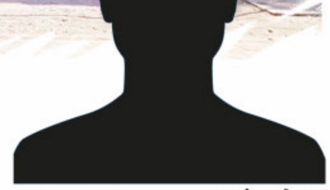

संयुक्त संचालक इंदौर के अधिकारी सूर्य कुमार सिन्हा

इंदौर । प्रदेश के मुखिया मंचों से चिल्लाकर कहते हैं कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा, लेकिन इंदौर के ये दो मामले बताते हैं कि निचले स्तर पर 'जीरो टॉलरेंस' नहीं, बल्कि 'जीरो रिस्पॉन्स' की नीति चल रही है। कहते हैं न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी बंधी होती है, लेकिन इंदौर संभाग के नगरीय प्रशासन और संभागायुक्त कार्यालय में तो लगता है कि न्याय ने खुद ही आत्मसमर्पण कर दिया है। यहां शिकायतों का निराकरण नहीं, बल्कि उनका 'अंतिम संस्कार' किया जाता है। हाल ही में सामने आए दो मामलों ने यह साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वालों को सिस्टम किस तरह मानसिक प्रताड़ना देता है।

संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन इंदौर के कार्यालय में एक जागरूक नागरिक ने खरगोन मुख्य नगरपालिका अधिकारी की शिकायत दर्ज कराई। उम्मीद थी कि वरिष्ठ कार्यालय होने के नाते संयुक्त संचालक महोदय निष्पक्ष जांच करेंगे। शिकायत मिली है, तो कायदे से जांच की आंच खरगोन तक पहुंचनी थी। लेकिन साहब ने नया 'इंजीनियरिंग' फॉर्मूला निकाला। जब शिकायतकर्ता ने आर.टी.आई. लगाकर पूछा कि साहब मेरी शिकायत का क्या हुआ ? तो जवाब देने के बजाय आवेदन उसी नगरपालिका को फॉरवर्ड कर दिया गया जिसके खिलाफ शिकायत थी। अब सवाल यह है कि क्या कोई अधिकारी खुद को दोषी बताते हुए जानकारी देगा? आर.टी.आई. कानून स्पष्ट कहता है कि जानकारी वह देगा जिसके पास वह मौजूद है। यहाँ तो जानकारी छिपाने के लिए उसे 'आरोपी' के पास ही भेज दिया गया। अब खरगोन के सी.एम.ओ. साहब खुद अपनी मेज पर बैठेंगे, अपनी ही जांच की फाइल खोलेंगे और अपनी ही पीठ थपथपा कर लिख देंगे कि 'सब चंगा सी'?

ठीक ऐसा ही एक मामला संभाग के सबसे शक्तिशाली पद - संभागायुक्त के यहाँ भी देखने को मिला, संभागायुक्त महोदय को तत्कालीन नगर निगम आयुक्त इंदौर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। उम्मीद थी कि कमिश्नर साहब अपनी विशेष शक्तियों का प्रयोग कर निष्पक्ष जांच कराएंगे। लेकिन यहाँ भी 'सिस्टम' ने घुटने टेक दिए। शिकायत को सीधे उसी नगर निगम कार्यालय में जांच के लिए भेज दिया गया, जिसके मुखिया पर आरोप थे। भले ही आज आयुक्त बदल गए हों, लेकिन जिस दफ्तर की कार्यप्रणाली पर सवाल थे, उसी दफ्तर को जांच सौंपना 'बिल्ली को दूध की रखवाली' देने जैसा है। प्रशासनिक नैतिकता कहती है कि कोई भी व्यक्ति अपनी स्वयं की जांच नहीं कर सकता। लेकिन इंदौर में यह 'असंभव' भी संभव है। अगर नगर निगम को ही फैसला करना था, तो शिकायतकर्ता कमिश्नर कार्यालय की सीढ़ियां क्यों चढ़ा? यह बड़े पदों पर बैठे अधिकारियों की आलस है या भ्रष्टाचार को मौन सहमति?

संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन और संभागायुक्त कार्यालय से निकले यह दो ताज़ा मामले चीख-चीख कर कह रहे हैं कि यहाँ न्याय की उम्मीद करना 'अंधेर नगरी चौपट राजा' वाली कहावत को चरितार्थ करना है। यहाँ शिकायतकर्ता को न्याय नहीं, बल्कि 'ट्रांसफर' का झुनझुना पकड़ाया जा रहा है। क्या संभागायुक्त और संयुक्त संचालक यह भूल गए हैं कि वे निगरानी के लिए बैठे हैं, न कि शिकायतों को दबाने के लिए। क्या इन अफसरों पर जवाबदेही तय होगी या 'शिकायती फुटबॉल' का यह खेल यूँ ही चलता रहेगा ? अगर आला अफसर ही पोस्टमैन की भूमिका में आ जाएं, तो समझ लीजिए कि आम आदमी के लिए न्याय के दरवाजे स्थाई रूप से बंद हो चुके हैं।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948